cBdk d dk;Øe e l'kk/ku

ngjknuA मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा द्वारा की जा रही विभागीय समीक्षा बैठकों का संशोधित कार्यक्रम बीरवार को जारी किया गया है। ंशोधित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री श्री बहुगुणा आगामी 18 अगस्त, 2012 को सचिवालय में प्रातः 11 बजे से

विद्यालयी शिक्षा व पेयजल, 22 अगस्त को प्रातः 11 बजे से सचिवालय में कृषि व चिकित्सा शिक्षा, सायं 5 बजे से मुख्यमंत्री आवास पर समाज कल्याण एवं अल्पसंख्यक कल्याण, 23 अगस्त को प्रातः 11 बजे से सचिवालय में उद्यान एवं ऊर्जा, सायं 5 बजे से मुख्यमंत्री आवास पर श्रम एवं सेवायोजन, दुग्ध विकास, 24 अगस्त को प्रातः 11 बजे से सचिवालय में राजस्व एवं भू प्रबंधन, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण, खेल एवं युवा कल्याण तथा 25 अगस्त 2012 को सचिवालय में प्रातः 11 बजे से वित्त एवं वाणिज्य कर विभागों की समीक्षा करेंगे।

नीतियों के बवंडर में उलझे संविदा शिक्षक

- ikyhVDuhdk e VVrk ugh nkgj ekudk dk ljdkjh frfyLe
- lfonk f'k{kdk dk lok foLrkj u nu lgkf'k, ij f'k{k.k dk;l

e[; lokonnkrk

ngjknuA सरकारी नीतियों के बवंडर में राजकीय पॉलीटेक्नीको में कार्यरत संविदा शिक्षकों का भविष्य अधर में है और शिक्षण कार्य हाशिए पर है। लेकिन नीतियों का तिलिस्म टूटता नजर नहीं आ रहा है। सरकारी तंत्र की इस उपेक्षा से पालीटेक्नीकों में छात्रों की उपस्थिति के ग्राफ में भी तेजी से गिरावट आई है।

गौरतलब है कि सूबे के राजकीय पॉलीटेक्नीको में कार्यरत 110 संविदा शिक्षकों के हित सरकारी नीतियों के भंवर में उलझ चुके हैं। सरकारी दावों के विपरीत पॉलीटेक्नीको में व्यवस्थाएं चौपट हैं। इस मामले 12 दिसंबर 2012 जारी सरकारी फरमान में संविदा शिक्षकों के प्रति सरकार के सौतेले रवैए की तस्दीक है। इस सरकारी फरमान में संविदा गेस्ट व्याख्याताओं, कर्मशाला अनुदेशकों व कम्प्यूटर प्रोग्रामर को बतौर मानदेय 10 हजार से 15 हजार की राशि दिये जाने के निर्देश दिये गए थे। साथ ही कार्यदिवस में इनकी गैरहाजिरी पर मानदेय से प्रतिदिन 333 रूपये से 500 रूपये तक की कटौती की हिदायत भी दी गई थी। लेकिन सरकार ने इस शासनादेश में नहीं संविदा शिक्षकों कोई अवकाश दिये जाने का उल्लेख किया और न ही किसी प्रकार की कटौती का ही कोई उल्लेख किया जैसा कि महाविद्यालयों में कार्यरत प्रवक्ताओं के वेतन से कटौती के निर्देश नहीं दिये गये जबकि उनका मानदेय शासनादेश के तहत 15 हजार से बढ़ाकर 25 हजार भी कर दिया। खास तो यह है कि शिक्षा मित्रों के मानदेय से भी कटौती का कोई प्रावधान नहीं है लेकिन इस मामले में सरकार ने दोहरी नीतियां अपनाते हुए पॉलीटेक्नीक के संविदा शिक्षकों पर मानदेय से कटौती का प्रावधान थोप दिया।

दूसरी तरफ ऐसे शिक्षकों के साक्षात्कार की प्रक्रिया शुरू करने की कवायद शुरू कर दी जो 5–6 वर्षो से पॉलीटेक्नीको में अध्यापन कार्य कर रहे हैं और सेमेस्टर परीक्षाओं की कापियां भी जांचने का कार्य कर रहे हैं। यही नही इन संविदा शिक्षकों को प्राविधिक शिक्षा परिषद ने परीक्षक घोषित कर दिया है और सरकार उनके चयन को प्रक्रिया का प्रपंच रच रहा है। खास तो यह है कि महाविद्यालयों और पॉलीटेक्नीको में कार्यरत संविदा शिक्षक जिन पदों के सापेक्ष कार्य कर रहे हैं वो एक ही पे ग्रेड के है लेकिन सरकार उनके मानदेय में भेदभाव बरत रही है।

lemL;kvk d gy dk f'k{kd e[kj

ngjknuA उत्तराखण्ड पॉलीटेक्नीक संविदा शिक्षक सोसायटी के अध्यक्ष सोमनाथ टोडरिया व उपाध्यक्ष पंकज सैलानी ने सरकार से मांग की है कि वह भेदभाव की नीतियां त्यागकर संविदा शिक्षकों की समस्याओं का जल्द समाधान कर उनका मानदेय बढ़ाकर 25 हजार रूपये प्रतिमाह करें।

fu;Dr fd;k x;k tkp vf/kdkjh

ngjknuA जिला कारागार देहरादून में निरुद्ध सिद्धदोष बंदी शीला पत्नी इन्द्रपाल जाटव की 12.4.2012 को एम्स नई दिल्ली में उपचार के दौरान मृत्यु हो गयी थी। जिसकी मजिस्ट्रीयल जांच हेतु जिला अधिकारी रविनाथ रमन ने उप जिला मजिस्ट्रेट विकासनगर को जांच अधिकारी नियुक्त किया है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए उप जिला मजिस्ट्रेट विकासनगर ने अवगत कराया है कि जिस किसी व्यक्ति को इस घटना के संबंध में कुछ कहना है तो वह मौखिक या लिखित रूप में 22.8.2012 तक विकासनगर में किसी भी कार्यदिवस में उपस्थित होकर अपना साक्ष्य प्रस्तुत कर सकता है।

पदोन्नति में आरक्षण, विरोध में उतरे सड़कों पर

- inn'kHkj d vf/kdkfj;k&depkfj;k u fudkyh jyh
- lfpoky; d ikl ifyl u jkdk jyh dk

ngjknuA उत्तराखंड अधिकारी–कर्मचारी शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने पदोन्नति में आरक्षण के विरोध में राजधानी में प्रदर्शन करते हुए सचिवालय कूच किया। रैली में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए विभिन्न विभागों के सैकड़ों अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। रैली में शामिल अधिकारी एवं कर्मचारियों ने आरक्षण के विरोध में जबरदस्त नारेबाजी की।

शिक्षा, स्वास्थ्य, सचिवालय, पेयजल, ग्राम्य विकास समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी गुरुवार को सुबह साढ़े दस बजे के करीब बड़ी संख्या में परेड मैदान में एकत्रित हुए। वहां से अधिकारियों व कर्मचारियों की रैली सुभाष रोड, दर्शनलाल चौक, घंटाघर, राजपुर रोड, एस्लेहाल होते हुए सचिवालय पहुंची। सचिवालय के पास पुलिस ने बैरिगेटिंग लगाकर रैली को रोक दिया।

इस दौरान पुलिस और कर्मचारियों के बीच धक्का–मुक्की भी हुई। रैली को रोके जाने के पश्चात अधिकारियों और कर्मचारियों ने सचिवालय के पास प्रदर्शन करते हुए धरना दिया। धरना स्थल पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मोर्चे के मुख्य संयोजक जीएस भाकुनी ने कहा कि देश में वर्ष 1950 में संविधान में दलित वर्ग के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था मात्र दस वर्षों के लिए लागू की गई थी।

इसके पीछे यह सोच थी कि दलित वर्ग का पारिवारिक माहौल शिक्षा के दृष्टिकोण से काफी असुविधाजनक था और इन विपरीत परिस्थितियों में दलित वर्ग के अपेक्षाकृत काफी कम अंक वाले अभ्यर्थियों को शासकीय नौकरियों मेंआरक्षण की व्यवस्था दी गई थी। यह व्यवस्था दस वर्ष के लिए थी इसलिए इसे सन 1960 में समाप्त कर दिया जाना चाहिए था, लेकिन आरक्षण की व्यवस्था अभी तक जारी है। सभा को संबोधित करते हुए मोर्चे के सचिव सुनील दत्त कोठारी ने कहा कि आरक्षण के कारणों पर विचार किया जाए तो यह व्यवस्था किसी संवर्ग विशेष के लिए लागू न होकर आर्थिक अभाव में जीवन–यापन कर रहे उन परिवारों पर लागू होनी चाहिए थी जो कि धनाभाव के चलते सुख–सुविधाओं से वंचित हैं।

सिलेण्डरों के ब्लैक से थम नहीं रही क्राइसिस

- **मल्टिपल गैस कनेक्शनों के चिन्हीकरण की कवायद फाइलों में सिमटी**
- **गैस ऐजेन्सी और अफसरों की मिली भगत से थम नहीं रही सिलेंडरों का ब्लैक**

ngjknuA राजधानी में रसोई गैस की कालाबाजारी के आंकड़े कम नहीं हैं और इनकी बढ़त पर अंकुश लगाना सरकारी तंत्र के बस में नहीं, इसकी अहम वजह है कि कालाबाजारी गैस एजेंसियों के मालिकों और अफसरों का साझा खेल बन चुका है। इस पर से शहर में रीफिलिंग का कारोबार भी फलफूल रहा है, साथ ही सिलेंडरों में घटतोली की शिकायतों का ग्राफ भी थम नहीं रहा है। यही कारण है कि सिलेंडरों की मांग–आपूर्ति का संतुलन बिगड़ चुका है और उपभोक्ता परेशान है।

यूं तो रसोई गैस की मांग और आपूर्ति के बीच भरपूर संतुलन है, लेकिन ज्यादा मुनाफे के फेर में गैस एजेंसियों के मालिकों ने कालाबाजारी को बढ़ावा देना शुरू कर दिया है, खास तो यह है कि इस खेल में सरकारी नुमाइंदे भी शामिल हैं। यही नहीं शहर के हर गली–मोहल्ले में सिलेंडरों की रिफिलिंग का कारोबार भी फल फूल रहा है।

प्रशासन और पुलिस की सरपरस्ती रीफिलिंग के व्यवसाई 70 से 80 रूपये गैस धड़ल्ले से बेच रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक राजधानी में 4,7502 गैस कनेक्शन हैं इसके विपरीत प्रतिमाह 30,7077 गैस सिलेंडरों की आपूर्ति हो रही है, फिर भी उपभोक्ता गैस सिलेंडरों की कमी से जूझ रहे हैं।

खास तो यह है कि सरकारी तंत्र की लापरवाही से होटल, ढाबों यहां तक कि चाय और खाने पीने की ठेलियों पर भी घरेलू रसोई गैस का धडल्ले से उपयोग हो रहा है। हालांकि राजधानी में प्रतिमाह 15,513 व्यवसायिक सिलेंडरों की आपूर्ति हो रही है जबकि व्यवसायिक सिलेंडरों का वितरण मात्र 14351 है। इससे साफ जाहिर है कि व्यवसाई भी घरेलू रसोई गैस सिलेंडरों पर डाका डाल रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि कालाबाजारी नियम कायदों को खुलेआम इन कनेक्शनों पर मिलने वाले सिलेंडरों को ऊंची कीमत पर होटल–ढाबों में बेच रहे हैं। इधर मामला सुर्खियों में आने के बाद हरकत में आए प्रशासन ने तेल कंपनियो के अफसरों के साथ एक माह पूर्व बैठक कर मल्टिपल गैस कनेक्शन चिन्हित कर ऐसे कनेक्शन धारकों के विरूद्ध कार्रवाई करने का पूर्व में फैसला भी लिया। लेकिन सिस्टम की सुस्ती के कारण प्रशासन की कवायद फाइलों में सिमट गई।

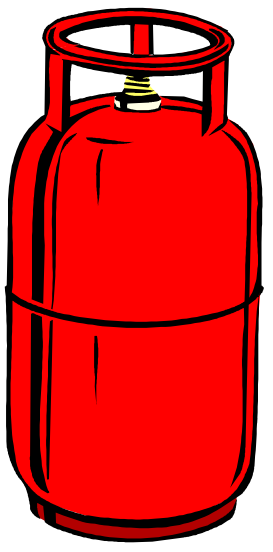

'ko feyus ls lulu

ngjknuA बीती देर रात रिस्पना पुल के पास स्थित टैक्सी स्टैण्ड के पास एक व्यक्ति का शव मिलने ने सनसनी फैल गयी है। मौके पर शव को देखने के लिए लोगों का हुजूम उमड पडा। शव होने की सूचना पर घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना नेहरू कलोनी थाना क्षेत्रान्तर्गत है। आज सुबह करीब साढे पांच बजे लोगों ने रिस्पना स्थित टैक्सी स्टैण्ड में टिनशेड के नीचे एक व्यक्ति का शव पडा देखा। लोगों ने इसकी सूचना तुरन्त नेहरू कलोनी पुलिस को दी। सूचना के बाद डीएस रावत पफोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर एक युवक की खून से लथपथ लाश पडी थी। मृतक के गले व पेट पर चोट के गम्भीर निशान थे। पुलिस को मृतक की तलाशी में कुछ कागजात मिले जिसके आधार पर युवक की शिनाख्त की गयी। मृत व्यक्ति का नाम कुलदीप कुमार पुत्रा टीकाराम उम्र 25 वर्ष निवासी काशीरामपुर लैंसडाउन बताया जा रहा है। पुलिस ने घटनास्थल से खुन के नमूने एकत्रित किये। पुलिस द्वारा कुछ लोगों को पूछताछ हेतु हिरासत में लिया गया। पुलिस के अनुसार हत्या के कारणों का

पता नहीं चल पाया है जांच के बाद ही कारणों का पता चल पायेगा। घटना के बाद से क्षेत्रा में दहशत का माहौल है। बिगत दिनों से राजधानी में अपराधों में लगातार वृद्धि हो रही है।

समाजिक संस्था 'अंकित' के तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर संस्था से जुड़े 50 बच्चों ने रायपुर रोड स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय परिसर में पौध रोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। परिसर में पौध रोपते बच्चे।

पेयजल कर्मियों ने की मुख्यालय पर तालाबंदी

- ljdkj o 'kklu d f[kykQ dh ukjckth

ngjknu। कर्मचारी–अधिकारी समन्वय समिति पेयजल निगम ने अपनी मांगों को लेकर पेयजल निगम मुख्यालय पर तालाबंदी की। समिति से जुड़े अधिकारी व कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन कार्यबहिष्कार शुरू कर दिया है।

पेयजल निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी गुरुवार को सुबह साढ़े दस बजे के करीब मोहिनी रोड स्थित पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निमग मुख्यालय पर एकत्रित हुए और निगम का राजकीयकरण किए जाने की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शन करने के पश्चात अधिकारियों और कर्मचारियों ने मुख्यालय के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि पेयजल निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों का राजकीयकरण किए जाने की मांग पिछले लंबे समय से की जा रही है, लेकिन अभी तक सरकार ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। पेयजल निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों को कभी भी समय पर वेतन नहीं मिलता है। समय पर वेतन न मिलने के कारण कर्मियों को आर्थिक समस्याओं से जूझना पड़ता है। राजकीयकरण न किए जाने के विरोध में कर्मियों ने सरकार और शासन के खिलाफ जबरदस्त नारेबाजी की। कर्मियों का कहना था कि जब तक उनकी मांग मान नहीं ली जाती आंदोलन जारी रहेगा। राजकीयकरण का मामला शासनस्तर पर लटका हुआ है।

गत दो दिसंबर 2011 को राजकीयकरण के संबंध में कर्मियों की मुख्य सचिव से वार्ता हुई थी, जिसमें कि इस दिशा में शीघ्र कार्यवाही का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। सरकार व शासन की अनदेखी से कर्मियों में रोष व्याप्त है। तालाबंदी करने वालों में बीके जैन, एके चतुर्वेदी, जितेंद्र देव, संजीव दौशाद, अरुण रावत, सुरेश थापा, पीके शुक्ला, आरके सिंह, इमरान अहमद आदि मौजूद थे।

बीटीसी प्रशिक्षित शिक्षामित्रों ने निकाली रैली

ngjknuA बीटीसी प्रशिक्षित शिक्षामित्र महासंघ ने सहायक अध्यापक के पद पर समायोजन की मांग को लेकर प्रदर्शन किया व रैली निकाली। महासंघ से जुड़े शिक्षामित्रों द्वारा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।

बीटीसी प्रशिक्षित शिक्षामित्र गुरुवार को पूर्वाह्न सवा ग्यारह बजे के करीब महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञान सिंह बिष्ट के नेतृत्व में परेड मैदान में एकत्रित हुए, वहां से शिक्षामित्रों द्वारा रैली निकाली गई। रैली घंटाघर, एस्लेहाल होते हुए सचिवालय पहुंची, सचिवालय के गेट पर पुलिस ने रैली को रोक दिया। महासंघ का कहना था कि सहायक अध्यापक के पद पर समायोजन की मांग को लेकर शिक्षामित्र विगत 19 जुलाई से शिक्षा निदेशालय में अनिश्चितकालीन क्रमिक अनशन पर बैठे हुए हैं, लेकिन निदेशालय ने अभी तक शिक्षामित्रों का समायोजन नहीं किया है।

महासंघ का कहना था कि बीटीसी प्रशिक्षित शिक्षामित्र राज्य के सुदूरवर्ती अध्यापक विहीन प्राथमिक विद्यालयों में अल्प मानदेय में वर्षों से शिक्षण कार्य कर रहे हैं, लेकिन सरकार द्वारा उनकी कोई सुध नहीं ली जा रही है। शिक्षामित्रों को मानदेय भी समय पर नहीं मिलता, जिस कारण उन्हें आर्थिक दिक्कतों से जूझना पड़ता है।

हकीकत सिमटी सड़कों पर हादसे रच रहे इतिहास

- foxr vkB ekg e lMd gknlk e 44 ykx xok pdk g tku
- u'k d yrh pkydk dh cyxke j¶rkj fy[k jgh ekr dh bckjr
- lMdk dk nk;jk c<ku d elyk ij ljdkjh r= eku

e[; lokonnkrk

ngjknuA यूं तो सूबे कोई हाइवे और सड़कें अतिक्रमण के बोझ से अछूती नही है, नजीजा है कि सड़कों का सिमटता दायरा बढ़ते यातायात का लोड होने में लाचार है। ऐसे में बेलगाम दौड़ते वाहन हादसों का इतिहास रच सूबाई सड़को पर मौत की इबारत लिख रहे हैं।

हादसों और उनमें मरने वालों के आकड़े इसकी तस्दीक हैं। इतना होने पर भी सड़कों का दायरा बढ़ाने और वाहनों की रफ्तार थामने को सरकारी तंत्र ने एक कदम भी नहीं बढ़ाया।

गौरतलब है कि दशकों पूर्व की आबादी और यातायात के लोड के हिसाब से बनाई गई सड़के बढ़ती आबादी और यातायात के लोड को उठाने की कुव्वत नही रखती। इस पर से सूबे के कमोबेश सभी राजमार्गो से लेकर सभी सड़कों का दायरा अतिक्रमण की मार से सिमट चुका है। इस मामले में सरकारी तंत्र यातायात नियमों का पालन न होने की दुहाई देकर यातायात का लोड साधने को रूट डायवर्ट करने का स्वांग भले ही रचता रहा हो लेकिन उसने सड़कों की बिगड़ती सेहत सुधारने की दिशा में कोई सार्थक कदम ही नहीं उठाया। नतीजा यह है कि पिछले आठ माह के दौरान सूबाई सड़कों पर हुए हादसों में 44 लोग काल के गाल में समा चुके हैं। खास तो यह है कि सड़क हादसों के लिए जहां सरकारी तंत्र की उपेक्षित नीतियों जिम्मेदार रही हैं वही वाहन चालों की नशेबाजी की लत भी उतनी ही जिम्मेदार रही हैं। इन सड़क हादसों में बाईकर्स के मौत के आंकड़े कम नहीं हैं। जनवरी 2012 से जून 2012 के दौरान सड़क हादसों में 16 बाइक सवार जान गंवा चुके हैं।

उल्लेखनीय है कि बिगड़ैल रईसजादे अक्सर ही नशे में धुत होकर सड़कों पर बेलगाम दोपहिया और चार पहिया वाहन दौड़ाते नजर आते हैं। इनके द्वारा खुलेआम यातायात नियमों की धज्ज्यां उड़ाई जाती हैं लेकिन इनकी ऊंची पैठ के कारण उनके आगे पुलिस बेबस और लाचार नजर आती है। सड़क हादसों की कड़ी में 15 फरवरी 2012 को शिमला बाईपास पर बेकाबू जीप ने दो बाइक सवारों को रांद दिया जिससे उनकी मौत हो गई। इधर राजपुर रोड स्थित मसूरी डावर्जन में टोमटा के नशे में धुत चालक ने बाइक सवार को रौंद दिया जिससे उसकी मौत हो गई। ऐसी ही कई घटनाएं है जो सड़कों पर सरकारी उपेक्षा और यातायात पुलिस की नाकामी की तस्दीक है। फिलहाल सरकार की उपेक्षित नीतियों के चलते सड़कों की गिरती सेहत समेत यातायात व्यवस्था सुधरना नामुमकिन है।

संक्षिप्त समाचार

Lojkstxkjh ifjorZu % ;ksokvk us fd;k vkgoku

_f"kdqekj'kA उत्तराखण्ड कॉडर के पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ0 कमल टावरी आज परमार्थ निकेतन पहुँचे। उन्होंने स्वामी असंगानन्द सरस्वती, राम महेश मिश्र एवं राम अनन्त तिवारी से भेंट की। इस मौके पर डॉ0 टावरी ने ऋषिकेश के युवा उद्यमियों एवं परमार्थ गुरुकुल के वरिष्ठ ऋषिकुमारों को भी सम्बोधित किया। उत्तर प्रदेश तथा केन्द्र सरकार में कई राज्य–स्तरीय एवं राष्ट्र–स्तरीय महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके डॉ0 टावरी ने परमार्थ निकेतन परिवार के सदस्यों से 'स्वरोजगारी परिवर्तन' की लोकहितकारी अवधारणा पर विस्तार से चर्चा की।

pkjh d rhu vkjkih fxj¶rkj

ngjknuA नेहरू कलोनी पुलिस विगत दिनों मौथरोवाला क्षेत्र में दुकान में हुयी चोरी का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को गिरफतार किया है। इनसे पुलिस ने माल भी बरामद कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मौथरोवाला स्थित एक दुकान में विगत दिनों चोरी कर ली थी। पुलिस तभी से चोरों की तलाश कर रही थी। देर रात पुलिस को तीन युवक एक मोटरसाईकिल पर सवार होकर जा रहे थे। पुलिस ने तीनों से जब गाडी के कागजात मांगे तो वे हडबडा गयें। पुलिस तीनों युवकों थाने लेकर आ गयी।

dyj cYV çfr;kfxrk e fn[kkbZ n{krk

ngjknuA उत्तराखंड स्पोर्ट्स ताइक्वांडो एसोसिएशन की ओर से आयोजित एक दिवसीय ताइक्वांडो कलर बेल्ट प्रतियोगिता में बालक–बालिका खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दक्षता सिद्ध की। एसोसिएशन के सचिव जावेद खान ने बताया कि प्रतियोगिता में मान्यता अग्रवाल, ओजस्वी वर्मा, वंश वर्मा, प्रज्जवल जोशी, नितिन कुमार, नितेंद्र कुमार, सचिन, शिवम जैन, सागर, आकाश, चिनाली, शुभम सिंह, अमन, सत्यम सिंह, राम सिंह, विनय, नीता वर्मा, दीपक कुमार, अंशुल सिंह, राजेंद्र, सुनील बिष्ट, माही सिंह, रीत वर्मा, हर्ष सिंह, पल्लवी रावत, आदित्य कुमार, शिवांश, मानव सिंह व यश बिष्ट ने प्रतियोगिता उत्तीर्ण कर बेल्ट बदली।

lej oyh dk 'kkunkj vkxkt

ngjknuA 11वें ओमप्रकाश मेमोरियल फुटबाल टूर्नामेंट में समर वैली स्कूल ने संगम पब्लिक स्कूल को 4–0 से हराकर शानदार आगाज किया। कारमन स्कूल श्यामपुर प्रेमनगर में गुरुवार से शुरू हुए टूर्नामेंट में समर वैली व संगम पब्लिक स्कूल के बीच उद्घाटन मैच खेला गया। 18वें मिनट में समर वैली के फारवर्ड रोहित ने गोल दागकर टीम का खाता खोला। 22वें मिनट में अमन चंदोला ने गोल कर बढ़त को 2–0 कर दिया। मध्यांतर के बाद भी समर वैली का दबदबा रहा। 37वें मिनट में समर वैली के फारवर्ड देबोजीत ने विपक्षी डी में मिले पास को गोल में तब्दील कर टीम को 3–0 की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा पेज थ्री प्रेस,जाखन जोहड़ी रोड,
पो.ओ. राजपुर, देहरादून से मुद्रित व प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।
फैक्स नं०–
0135-2650558
(M) 9319700701
pagethreedaily@yahoo.co.in
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN/2005/15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।